Received today
16/08/13

प्रेषक

डा0 एम0लाल,
संयुक्त निदेशक, (नियोजन एवं बजट)
स्वास्थ्य भवन लखनऊ

सेवा में,

मिशन निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रांक: एन0आर0एच0एम0 / निरीक्षण / 2013–14 दिनांक– 08.08.2013

विषय: जे0ई0 / ए0ई0एस0 प्रभावित जनपद कुशीनगर की निरीक्षण आख्या।

महोदय,

आपके कार्यालय के पत्रांक एस0एपी0एम0यू0 / एन0आर0एच0एम0 / एम0एण्डई0 / 2013–14 / 1828–2 दिनांक 24.07.2013 के अनुपालन में आबंटित जनपद कुशीनगर की निरीक्षण आख्या निम्नवत है–

दिनांक 29 जुलाई 2013 की अनुश्रवण आख्या–

दिनांक 29.07.2013 को जिला चिकित्सालय कुशीनगर का निरीक्षण किया गया

1. चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था सतोषजनक नहीं थी।
2. चिकित्सालय में जनरेटर उपलब्ध एवं क्रियाशील पाये गये। वेन्टीलेटर उपलब्ध नहीं था। ऑक्सीजन सिलेण्डर पर्याप्त मात्रा में थे।
3. पॉवर बैकअप के लिए 2 जनरेटर क्रियाशील थे।
4. वार्ड मे 12 शय्याएं जे0ई0 / ए0ई0एस0 के लिए आरक्षित थी।
5. चिकित्सालय में आने वाले सभी बुखार के मरीजों की ट्रैकिंग नहीं की जा रही थी। जे0ई0 / ए0ई0एस0 के सभी संभावित मरीजों की जॉच नहीं करायी जा रही थी। जिसके लिए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया गया।
6. जे0ई0 / ए0ई0एस0 से ग्रसित मात्र दो मरीज माह में एवं कुल 12 मरीज अब तक भर्ती किये गये थे।
7. जिला चिकित्सालय में सेन्टिल लैब क्रियाशील थी लैब में अब तक 12 मरीजों की जे0ई0 की जॉच की गयी थी सभी नमूने नाकारात्मक पाये गये।

दिनांक 30 जुलाई 2013 की अनुश्रवण आख्या–

30 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुधही एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तमकुही का निरीक्षण किया गया।

1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुधही पर बाल रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त था।
2. चिकित्सालय में सलंग्न सूची के अनुसार समस्त औषधिंया उपलब्ध नही थी।
3. चिकित्सालय में आक्सीजन सिलेण्डर व साक्शन मशीन आवश्यक मात्रा में उपलब्ध एवं क्रियाशील थे।
4. चिकित्सालय में पॉवर बैक अप में एक जनरेटर क्रियाशील था तथा एक 25 के0वी0 का जनरेटर उपलब्ध था किन्तु स्थापित नहीं था।
5. वार्ड में 6 शय्याएं जे0ई0 / ए0ई0एस0 के लिए आरक्षित थीं किन्तु अभी तक कोई भी मरीज भर्ती नहीं किया गया था।
6. प्रयोगशाला में ई0एस0आर0 की जॉच नहीं की जा रही थी।
7. जे0ई0 / ए0ई0एस0 से प्रभावित गॉवों में अब तक मात्र कुल 45 रक्त पट्टिकाएं बनायी गयी थी। किसी भी पेयजल स्रोत का विसंक्रमण नहीं किया गया।

8. जे0ई0 / ए0ई0एस0 से प्रभावित गॉवों में एवं सूअर बाड़ों में कोई फॉगिंग नहीं करायी गयी।
9. चिकित्सालय में जे0ई0 वैक्सीन उपलब्ध है एवं अब तक वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 52 प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है।
10. फीवर ट्रैकिंग पंजिका व डेथ पंजिका उपलब्ध नहीं थी।

दिनांक 30 जुलाई 2013 की अनुश्रवण आख्या–

31 जुलाई को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया गया।

1. जनपद पर जे0ई0 / ए0ई0एस0 की कार्ययोजना उपलब्ध थी।
2. जनपद स्तर पर कुल 26 फागिंग मशीन क्रियाशील है। जे0ई0 वैक्सीन व सीरींज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी।
3. अब तक वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 36.54 प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है।
4. कोल्ड चेन की स्थिति ठीक थी, निरीक्षण के समय आई0एल0आर0 का तापमान $+3\,^{0}c$ था।
5. जनरेटर क्रियाशील था।
6. जे0ई0 / ए0ई0एस0 के कुल 63 केसेज में से 50 का सत्यापन किया जा चुका था।
7. जनपद में ए0ई0एस0 से अब तक 16 मृत्यु हो चुकी थी। जे0ई0 से होने वाली मृत्यु की संख्या शून्य थी।
8. जनपद में 400 लीटर मैलाथियॉन टेक्निकल उपलब्ध था किन्तु पी0ओ0एल0 उपलब्ध नहीं था।

संलग्नकः उपरोक्तानुसार

भवदीय

(डॉ मुन्शी लाल)
संयुक्त निदेशक

पत्रांकः एन0आर0एच0एम0 / निरीक्षण / 2013–14

दिनांकः

प्रतिलिपि **प्रमुख सचिव**, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डॉ मुन्शी लाल)
संयुक्त निदेशक